MP BOARD CLASS 10 SOCIAL SCIENCE SOLUTION-2018

म. प्र. बोर्ड कक्षा 10 सामाजिक विज्ञान प्रश्नपत्र उत्तर सहित-2018

Time : 3 Hours Maximum Marks : 100

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1×5=5)

(अ) मध्यप्रदेश किस खनिज के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान रखता है?

(1) लोह (2) अभ्रक (3) सोना (4) हीरा

उत्तरः (4) हीरा

(ब) कानपुर में आन्दोलन शुरू किया था।

(1) रानी लक्ष्मी बाई (2) तात्या टोपे (3) नाना साहेब (4) बहादुर शाह

उत्तर: (2) तात्या टोपे

(स) भारतीय संविधान में कितने अनुच्छेद हैं?

(1) 395 (2) 345 (3) 370 (4) 320

उत्तर: (1) 395

(द) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

(1) 100 दिवस का (2) 150 दिवस का (3) 200 दिवस का (4) एक वर्ष का

उत्तर: (1) 100 दिवस का

(इ) एगमार्क सुरक्षा चिन्ह है।

(1) आभूषणों के लिए (2) कृषि उत्पादों के लिए

(3) ऊनी वस्त्रों के लिए (4) बिजली उपकरणों के लिए

उत्तर: (2) कृषि उत्पादों के लिए

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (1×5=5)

(अ) वन अग्नि नियंत्रण परियोजना .....के सहयोग से संचालित है।

उत्तर: (अ) वन सुरक्षा समितियों

(ब) लार्ड डलहौजी ने ..... नीति के कारण अनेक राज्यों को अंग्रेजी राज्य में शामिल कर दिया।

उत्तर: (ब) हड़प

(स) भारत का नवनिर्मित संविधान, संविधान सभा द्वारा .....को अंगीकृत किया गया।

उत्तर: (स) 26 नवम्बर

(द) लोक सभा में बहुमत दल के नेता को .....कहते हैं।

उत्तर: (द) प्रधानमंत्री

(इ) शिक्षा एवं स्वास्थ्य ..... अधोसंरचना के अंग हैं।

उत्तर: (इ) सामाजिकल

3. सत्य/असत्य लिखिए: (1×5=5)

(अ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 में लागू किया गया था।

(1) "विनयपत्रिका' ' तुलसीदास की रचना है।

उत्तर: (अ) सत्य

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्र होता है।

उत्तर: (ब) सत्य

(स) पंचायत का कार्यकाल 7 वर्ष होता है।

उत्तर: (स) सत्य

(द) आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को आपदा-प्रबंधन के द्वारा कम किया जा सकता है।

उत्तर: (द) सत्य

(इ) कांग्रेस का विभाजन सूरत अधिवेशन में हुआ था।

उत्तर: (इ) सत्य

4. सही जोड़ी मिलाइए: (1×5=5)

(1) खेल गतिविधियों का प्रसारण - (aa) सन् 1876

(2) एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना - (bb) व्यक्तियों तथा सरकार का

(3) ऊनी वस्त्र उद्योग - (cc) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(4) भारतीय रिजर्व बैंक - (dd) डी.डी. स्पोर्टस चैनल

(5) मिश्रित अर्थव्यवस्था - (ee) बैंकों की बैंक

उत्तर: (1) खेल गतिविधियों का प्रसारण - (d) डी.डी. स्पोर्टस चैनल

(2) एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना - (c) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(3) ऊनी वस्त्र उद्योग - (a) सन् 1876

(4) भारतीय रिर्जव बैंक -(e) बैं**कों** का बैंक

(5) मिश्रित अर्थव्यवस्था - (b) व्यक्तियों तथा सरकार का

5. एक वाक्य/शब्द में उत्तर दीजिए: (1×5=5)

(अ) हॉलमार्क किसकी गुणवत्ता को प्रभावित करता है?

उत्तर: स्वर्ण आभूषणों की गुणवत्ता

(ब) अर्थव्यवस्था के उस क्षेत्र का नाम बताइए जो कृषि एवं उद्योग के संचालन में सहायता पहुँचाता है।

उत्तर: प्राथमिक क्षेत्र

(स) भारत में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किस सन् में किया गया?

उत्तर: 1919 में

(द) मादक या नशीला पदार्थ किसे कहा जाता है?

उत्तर: वे पदार्थ जिनके सेवन से मस्तिष्क शिथिल हो जाय रक्त संचार तेज हो जाए।

(इ) बेरोजगारी का क्या अर्थ है?

उत्तर: बेरोजगारी से आशय ऐसी स्थिति से है जिसमे व्यक्ति वर्तमान मजदूर की दर पर काम करने को तैयार होता है परन्तु कार्य नहीं मिलता है।

6. मृदा अपरदन से क्या तात्पर्य है? (2)

उत्तर: मृदा अपरदन: बहते हुए जल, हवा तथा जीव-जन्तुओं व मानव की क्रियाओं द्वारा भू-पटल की ऊपरी उपजाऊ मिट्टी की परत के कट जाने और उड़कर अन्यत्र रूपान्तरित हो जाने को मिट्टी का कटाव या मृदा अपरदन कहा जाता है।

अथवा

हरित क्रांति से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: हरित क्रान्ति: हरित क्रान्ति का आशय कृषि उत्पादन में उस तीव्र वृद्धि से है, जो अधिक उपज देने वाले बीजों, रासायनिक उर्वरको व नई तकनीक के प्रयोग के परिणामस्वरूप हुई है। इस क्रान्ति के फलस्वरूप फसलों की उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई है।

7. लार्ड कर्जन ने शासन की कौन-सी नीति अपनाई? (2)

उत्तर: लार्ड कर्जन ने 1905 में "फूट डालो और शासन करो की नीति का अनुसरण करते हुए बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने बंगाल की जनता की एकता को आघात पहुँचाने और वहाँ के हिन्दुओं और मुसलमानों में सदैव के लिए फूट डालने के उद्देश्य से विभाजन का कुटिल षड़यंत्र रचा था जिससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो गयी।

अथवा

1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर: बैरकपुर छावनी में 29 मार्च, 1857 को मंगल पाण्डे नामक सैनिक ने चर्बी वाले कारतूस को भरने से इंकार कर दिया और उत्तेजित होकर अंग्रेज अधिकारियों की हत्या

कर दी। फलस्वरूप उसे बन्दी बनाकर 8 अप्रैल 1857 को फाँसी दे दी गयी। इस प्रकार चर्बी लगे कारतूस 1857 की क्रान्ति का तात्कालिक कारण बना।

8. राष्ट्रीय आय की गणना किस समय अवधि में की जाती है? (2)

उत्तर: राष्ट्रीय आय की गणना देश में एक वर्ष 1 अप्रैल 31 मार्च में उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को जोड़कर ज्ञात की जाती है।

अथवा

बेरोजगारी भत्ता किसे दिया जाता है?

उत्तर: वे व्यक्ति जो वर्तमान मजदूरी की दर पर काम करने को तैयार होता है परन्तु उसे कार्य नहीं मिलता। बेरोजगारी की स्थिति में श्रम शक्ति और रोजगार के अवसरों में असमानता बढ़ती जाती है। इसमें श्रमिकों की मांग की अपेक्षा पूर्ति अधिक होती है। ऐसी स्थिति में बहुत से व्यक्ति कार्य करने योग्य तो होते है है परन्तु उन्हें कार्य नहीं मिल पाता है। इन्हीं लोगों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है।

9. अधोसंरचना के प्रकारों को समझाइए। (2)

उत्तर: अधोसंरचना के प्रकारः- अधोसंरचना को दो भागों में बाँटा गया है।

आर्थिक अधोसंरचना:- अधोसंरचना जो मुख्यतः शक्ति, यातायात एवं दूरसंचार से संबंधित होती है।

सामाजिक अधोसंरचना:- सामाजिक अधोसंरचना मानव संसाधन का विकास करने एवं मानव पूँजी निर्माण करने में सहायक होती है।

अथवा

अर्थव्यवस्था का द्वितीयक क्षेत्र क्या है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: द्वितीयक क्षेत्र:- इस क्षेत्र की गतिविधियों के अंतर्गत प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के माध्यम से अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है उदाहरण के लिए लोहे से मशीन बनाना या कपास से कपड़ा बनाना आदि यह प्राथमिक गतिविधियों के बाद अगला कदम है।

10. उपभोक्ता शोषण के किसी 2 प्रकारों को समझाइए। (2)

उत्तर: उपभोक्ता शोषण के दो प्रकार निम्न है।

(1) ऊँची कीमते:- प्रायः दुकानदार निर्धारित फुटकर कीमत से अधिक मनमानी कीमत ले लेते है।

(2) मिलावट एवं अशुद्धता:- मिलावट का आशय है वस्तु में कुछ सस्ती वस्तु को मिला देना। इससे कई बार उपभोक्ता के स्वास्थ्य को हानि होती है।

अथवा

एकाधिकार क्या है?

उत्तर: एकाधिकार का आश्य है किसी वस्तु के उत्पादन एवं वितरण पर किसी एक उत्पादक या एक उत्पादक समुह का अधिकार होना। एकाधिकार की स्थिति में उत्पादक कीमतों एवं वस्तु की गुणवत्ता तथा उपलब्धता से संबंधित में मनमानी करते है। वे उपभोक्ताओं का शोषण करने में सफल हो जाते है।

11. श्वेत और पीत क्रांति के बीच कोई तीन अंतर लिखिए। (3)

उत्तर: श्वेत क्रान्ति:-

(1) श्वेत क्रान्ति का पशुपालन से निकट का सम्बन्ध है।

(2) इसे आपरेशन ब्लड के नाम से जाना जाता है।

(3) श्वेत क्रान्ति का अर्थ है। डेरी विकास कार्यक्रमों के द्वारा दूध के उत्पादन में वृद्धि।

पीत क्रान्ति:-

(1) पीत क्रान्ति का सम्बन्ध खाद्य तेलो और तिलहन फसलों से है।

(2) इसे पीली क्रान्ति के नाम से जाना जाता है।

(3) खाद्य तेलो और तिलहन फसलों के उत्पादन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास करनी की रणनीति पीत क्रान्ति कहते है।

अथवा

रबी और खरीफ की फसलों में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: खरीफ:-

(1) यह फसल मानसून ऋतु के साथ ही शुरू होती है।

(2) इन फसलों को पकने में कम समय लगता है।

(3) ये फसले सितम्बर-अक्टूबर में काटी जाती है।

रबी:-

(1) यह फसल मानसून ऋतु के बाद शरद ऋतु के साथ शुरू होती है।

(2) इन फसलों को पकने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है।

(3) ये फसले मार्च-अप्रैल में काटी जाती है।

12. सामाजिक वानिकी योजना क्या हैं? (3)

उत्तर: सामाजिक वानिकी योजना: - वृक्षारोपण की यह योजना विश्व बैंक के वित्तीय सहायता प्राप्त है। इसमें चक वानिकी विस्तार वानिकी एवं शहरी वानिकी के अंतर्गत खेतों, रेल लाइन के किनारे वृक्षारोपण किया गया है।

'हर बच्चे के लिए एक पेड़' स्कूलों व कालेजों में यह नारा विकसित किया गया है। वन महोत्सव का प्रचार-प्रसार कर कार्य वृक्षारोपण, सड़कों, नहरों एवं, रेल लाइनों के किनारे वृक्षारोपण कर जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है।

अथवा

वर्षा का जल संग्रहण क्यों जरूरी है?

उत्तर: वर्षा जल संग्रहण का आशय है कि वर्षा के जल का उसी स्थान पर प्रयोग किया जाए जहाँ यह भूमि पर गिरता है। जल का प्रथम स्त्रोत वर्षा ही है। झरनों का प्रमुख आधार वर्षा ही है। इसके प्रमुख लाभ निम्न है।

(1) इसे साफ करके स्थानीय लोगों की जल की उपयोग की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है।

(2) इसे वर्षा के कम होने या न होने के समय खेतों की सिंचाई करने के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है।

(3) इस ढंग से जल संग्रहण के परिणामस्वरूप आसपास के भागों में बाढ़ की भी स्थिति नहीं रहती है।

13. कांग्रेस की स्थापना के कोई तीन उद्देश्य लिखिए। (3)

उत्तर: कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष ब्योमेशचन्द्र जी बनर्जी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन (1885) में इसके निम्न उद्देश्य बताए-

(1) साम्राज्य के विभिन्न भागों में राष्ट्र के हित के कार्यों में संलग्न ऐसे सभी व्यक्तियों में परस्पर घनिष्ठता और मित्रता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य है।

(2) अपने सभी राष्ट्र-प्रेमियों में जाति, धर्म या प्रान्तीयता के सभी सम्भव पूर्वाग्रहों को सीधे मित्रतापूर्ण व्यक्तिगत सम्पर्क से दूर करना और राष्ट्रीय एकता की उन भावनाओं की पूरी तरह विकसित और संगठित करना।

(3) तत्कालीन महत्वपूर्ण और ज्वलन्त सामाजिक समस्याओं के बारे में शिक्षित वर्ग के परिपक्व व्यक्तियों के साथ पूरी तरह से विचार विमर्श करने के बाद बहुत सावधानी से इनका प्रमाणिक लेखा-जोखा तैयार करना।

अथवा

किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए।

(1) तात्या टोपे (2) नाना साहेब

उत्तर: नाना साहब:- नाना साहब प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण नेता थे नाना साहब भूतपूर्व पेश्वा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे और बिदूर में निवास करते थे। पेश्वा की

मृत्यु के उपरान्त लार्ड डलहौजी ने नाना साहब को पेंशन एवं उपाधि से वंचित कर दिया था। अतः नाना ने अपने विश्वासपात्र सैनिकों की सहायता से अंग्रेजों को कानपुर से निकाल दिया और स्वयं को पेश्वा घोषित कर दिया। तात्या टोपे और अजीमुल्लाह नाना साहब के विश्वासपात्र सेनानायक थे।

14. 1857 के संग्राम की असफलता के कोई तीन कारण लिखिए। (3)

उत्तर: प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता के प्रमुख कारण निम्न है।

(1) 1857 की क्रान्ति निर्धारित तिथि से पूर्व प्रारंभ कर दी गयी थी जिससे यह असफल हो गयी।

(2) 1857 की क्रान्ति की असफलता का अन्य कारण योग्य नेतृत्व का अभाव था। विद्रोही नेताओं में सैनिक कुशलता तथा संगठित होकर कार्य करने तथा क्रान्ति संचालन की क्षमता का अभाव था।

(3) क्रान्तिकारियों में वीरता तथा साहस की भावना का अभाव नहीं था परन्तु उनकी सैनिक शक्ति अत्यधिक निर्बल थी।

अथवा

भारत में बसने वाले यूरोपियों ने इलबर्ट बिल का विरोध क्यों किया ?

उत्तर: इलबर्ट बिल - लार्ड स्पिन ने जातीय भेदभाव को दूर करने के लिए एक कानून बनाने का प्रयास किया। इस विधि सदस्य इलबर्ट ने तैया किया था। अतः इलबर्ट बिल कहा जाता है। इसके द्वारा मजिस्ट्रेट और सेशन जज को फौजदारी मुकदमों में यूरोपीय लोगों की सुनवाई का अधिकार दिया जाना था। इलबर्ट बिल प्रजातीय भेदभाव की नीति को उजागर करता था भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपीय अपराधियों का मुकदमा सुनने का अधिकार नहीं था। इस भेदभाव को दूर करने के लिए इलबर्ट बिल लाया गया। भारत में बसने वाले यूरोपियनों ने इलबर्ट बिल का संगठित होकर विरोध किया और काला कानून माना। अन्ततः बिट्रिश सरकार को इलबर्ट बिल वापस लेना पड़ा। भारतीयों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा था।

15. प्रदूषण के कोई चार प्रकारों को समझाइए। (4)

उत्तर: (1) वायु प्रदूषण:- औद्योगिक कारखानों की चिमनियों के कारण निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है। विभिन्न उद्योगों से होने वाले प्रदूषण की मात्रा एवं प्रकृति उद्योग के प्रकार, प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल एवं निर्माण आदि पर निर्भर करती है।

वायु मण्डल में कार्बन-डाई-आक्साइड, कार्बनमोनोआक्साइड धूल आदि हानिकारक व विषैले तत्व मिल जाते है। जो वायु को प्रदूषित करते है।

(2) भूमि प्रदूषण:- इसे मृदा प्रदूषण भी कहते है। औद्योगिक अपशिष्ट का भूतल पर फैलाव भूमि प्रदूषण का कारण बनता है। इस प्रकार के अपशिष्ट में अनेक ऐसे पदार्थ होते है। जो प्राकृतिक रूप से विघटित नहीं होते तथा इनकी प्रकृति में पुनः चक्रीकरण नहीं होता जिससे भूमि की गुणवत्ता में कमी आती है।

(3) जल प्रदूषण:- जल जीवन का आधार है जल निरन्तर प्रदूषित हो रहा है। इसका प्रमुख कारण कारखानों का कुड़ा-करकट नदियों और जलाशयों में बहाना है। कागज और चीनी की मिले तथा चमड़ा साफ करने के कारखाने अपना कूड़ा कचरा नदियों में बहा देते है। जिससे भूमिगत जल प्रदूषित होती है।

(4) ध्वनि प्रदूषण:- मानव के कानों में भी ध्वनि को साधारणतया गृहण करने की एक सीमा होती है। वास्तव में शोर वह ध्वनि है। जिसके द्वारा मानव के अंदर अशान्ति व बैचेनी उत्पन्न होने लगती है। इसी ध्वनि को ध्वनि प्रदूषण कहते है।

अथवा

लोहा और इस्पात उद्योग "आधारभूत" उद्योग क्यों कहलाता है?

उत्तर: लोहा एवं इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योगों में से एक महत्वपूर्ण उद्योग है। किसी भी देश के उद्योगों में की जाती है। किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का यह आधार स्तम्भ होता है। यह आधुनिक औद्योगिक ढाँचे का आधार और राष्ट्रीय शक्ति का मापदण्ड है। लोहा-इस्पात उद्योग का उपयोग मशीनों, रेलवे लाइन, यातायात के साधन, रेल-पुल, जलपान, अस्त्र शस्त्र एवं कृषि-यंत्र आदि बनाने में किया जाता है। इसलिए लोहा इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग कहा जाता है।

16. परिवहन से क्या आशय हैं? इसके साधनों को संक्षेप में समझाइये। (4)

उत्तर: परिवहन:- एक स्थान से दूसरे स्थान तक माल का लाना व ले जाना तथा सवारियों का आना-जाना परिवहन के साधनों द्वारा होता है।

परिवहन के साधन स्थल मार्ग, जल मार्ग तथा वायु मार्ग है। इनमें कार, बस, रेल, जलयान, वायु यान आदि वाहनों का प्रयोग किया जाता है।

(1) रेल परिवहन- रेल के द्वारा आवागमन व आयात-निर्यात रेल परिवहन कहलाता है।

(2) सड़क परिवहन- सड़क परिवहन के अंतर्गत सड़क पर चलने वाले वाहन द्वारा आवागमन, आयात-निर्यात सड़क परिवहन कहलाता है।

(3) जल परिवहन- जल मार्ग द्वारा यातायात आवागमन जल परिवहन कहलाता है।

(4) वायु परिवहन- वायु मार्ग द्वारा परिवहन वायु परिवहन कहलाता है।

अथवा

संचार से क्या आशय है? इसके साधनों को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर: संचार:- संदेश एवं सूचनाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना संचार कहलाता है।

संचार के प्रमुख साधन (1) डाक सेवाएं: डाक घर, पोस्ट ऑफिस द्वारा पत्र से संदेशों का आदान-प्रदान करना।

(2) विदेशी तार: इसके द्वारा संदेश एक देश से दूसरे देश भेजे जाते है।

(3) टेलीफोन: टेलीफोन के माध्यम से हम अपना संदेश कहीं भी भेज सकते है। घर बैठे-बैठे हम अपना काम टेलीफोन द्वारा कर सकते है।

(4) रेडियो: आकाशवाणी द्वारा संदेश का आदान-प्रदान करना।

(5) फैक्स: तार या फैक्स से संदेश भेजना।

(6) इण्टनेट: इण्टरनेट द्वारा हम दुनिया में कहीं भी अपना संदेश भेज सकते है। तथा कई वेबसाइट द्वारा कही से भी संदेश व सूचनाएं प्राप्त कर सकते है।

17. सूखा एवं बाढ़ किसे कहते हैं? लिखिए। (4)

उत्तर: सूखा: - सूखा एक आपदा है। जो मानवीय चिन्ता का प्रमुख विषय रहा है। हमारे राष्ट्र में बहुत कम ऐसे क्षेत्र है जहाँ सूखे की समस्या का सामना करना पड़ता है। किसी भी क्षेत्र में होने वाली सामान्य वर्षा में 25 प्रतिशत या उससे ज्यादा कमी होने पर उसे सूखे की स्थिति कहा जाता है। गम्भीर सूखे की स्थिति को हम तब कहते है जब या तो वर्षा में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी हो या दो वर्षों तक निरन्तर वर्षा न हो।

बाढ़: - किसी बड़े भू-भाग में किन्हीं भी कारणों से हुआ जलभराव जिससे जन-धन की हानि होती है, बाढ कहलाती है। जलाशयों में पानी की वृद्धि होने या भारी वर्षा के कारण नदी के अपने किनारों को लाँघने या तेज हवाओं या चक्रवातों के कारण बांधों के फटने से विशाल क्षेत्रों में अस्थायी रूप से पानी भरने से बाढ़ आती है।

अथवा

आपदा प्रबंधन पर लेख लिखिए।

उत्तर: आपदा प्रबंधनः - आपदा प्रबंधन क्रियाकलापों की एक ऐसी श्रृंखला है जो आपदा से पहले उसके बाद ही नहीं बल्कि एक दूसरे के समानान्तर भी चलती रहती है। यह व्यवस्था विस्तार और संकुचन मॉडल से भी अधिक है इस व्यवस्था में यह मानकर चला जाता है कि आपदा सम्भावित समुदाय के भीतर आपदा की रोकथाम, उसके दुष्प्रभाव को कम

करने, जवाबी कार्यवाही और सामान्य जीवन स्तर पर लौटने के लिए पर्याप्त उपाय होते है। तथापि विभिन्न घटक, संकट और समुदाय की असुरक्षा की सम्भावना के बीच संबंध के आधार पर विस्तारित तथा संकुचित होते रहते है अर्थात् आपदा प्रबंधन ऐसे क्रियाकलापों का एक समुह है जो आपदा के पूर्व या बाद की स्थिति के क्रम में न होकर एक दूसरे के साथ-साथ चलती है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि 'आपदा प्रबंधन का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को होना चाहिए।'

प्र.18 सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाये जाने के क्या कारण थे? (4)

उत्तर: दिसम्बर 1929 के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ करने की स्वीकृति दी गई थी। वायसराय लार्ड इरविन ने लाहौर अधिवेशन के पूर्व स्वाधीनता प्रस्ताव को मानने से इंकार कर दिया था परन्तु गांधी जी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। अतः उन्होंने 30 जनवरी 1930 को लार्ड इरविन के समझ 2 मांगे प्रस्तुत की। गांधीजी ने यह भी घोषणा किया की मांगे स्वीकार न होने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया जाएगा।

गांधी जी कहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए भू-राजस्व कम करे, पूर्ण नशाबंदी लागू हो बंदूकों को रखने का लाइसेंस दिया जाए नमक पर कर समाप्त हो, हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बंदी छोड़े जाए, गुप्तचर विभाग पर नियंत्रण स्थापित हो, सैनिक व्यय में पचास प्रतिशत कमी हो कपड़ों का आयात कम हो। वायसराय ने इन मांगों को अस्वीकार कर दिया। अतः गांधी जी ने योजनानुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया

अथवा

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय चेतना की जागृती हेतु प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर: मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय चेतना की वृद्धि के लिए अनेक कारको का सहयोग रहा, जिसमें समाचार पत्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस समय ऐसे अनेक समाचार-पत्र प्रकाशित हुए जिन्होंने ब्रिटिश शासन की अन्यायी एवं दमनकारी नीति से जनता को आंदोलन के लिए प्रेरित किया। इनमें प्रमुख थे कर्मवीर, अंकुश, सुबोध सिन्धु (खण्डवा) न्याय सुधा (हरदा), आर्य वैभव (बुरहानपुर), लोकमत (जबलपुर), प्रजामण्डल पत्रिका (इन्दौर), सरस्वती विलास (जबलपुर), साप्ताहिक आवाज एवं सुबह वतन (भोपाल) आदि। ब्रिटिश शासन के प्रतिबंधों के कारण जब समाचार पत्र प्रकाशित नहीं हो सके, गुप्त रूप से बुलेटिन एवं परचों ने जनजाग्रति का कार्य किया।

19. कश्मीर समस्या क्या है? समझाइए। (4)

(1) परमानन्द (2) निर्गुण (3) जगदीश

उत्तर: कश्मीर समस्या:- कश्मीर की समस्या भारत और पाकिस्तान के मध्य सबसे जटिल समस्या है। स्वतंत्रता के पश्चात दो नये राज्य बने, तो देशी रियासतों को स्वतंत्रता प्रदान की गई कि वह अपनी इच्छानुसार भारत या पाकिस्तान में विलय हो सकती है। या स्वतंत्र रह सकती है। अधिकांश रियासत भारत या पाकिस्तान में मिल गई।

कश्मीर के राजा हरि सिंह ने अपनी रियासत जम्मू कश्मीर को स्वतंत्र रखने का निर्णय लिया। राजा हरीसिंह का विचार था कि कश्मीर यदि पाकिस्तान में मिलता है तो जम्मू की हिन्दू जनता और लद्दाख की बौद्य जनता के साथ अन्याय होगा। और यदि वह भारत में मिलता है तो मुस्लिम जनता के साथ अन्याय होगा अतः उसने यथा स्थिति बनाए रखी।

अथवा

भारत और चीन के युद्ध के क्या परिणाम हुए? लिखिए।

उत्तर: भारत-चीन युद्ध के परिणाम-

भारत-चीन युद्ध के निम्नलिखित निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आये।

(1) भारत चीन संबंध तनावपूर्ण हो गये।

(2) भारत का अंतराष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्ष नीति को धक्का लगा।

(3) भारत के भू-भाग का एक बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

(4) चीन-पाकिस्तान में नवीन संबंध स्थापित हुए।

(5) भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता और यर्थार्थवाद को स्थान मिला।

(6) भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार हुआ।

20. भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्य लिखिए। (4)

उत्तर: नागरिको के सर्वांगीण विकास हेतु मौलिक अधिकार आवश्यक है। ये अधिकार निम्न है।

(1) स्वतंत्रता का अधिकार: इस अधिकार के द्वारा प्रत्येक नागरिकों को भाषण देने तथा विचार प्रकट करने शान्तिपूर्ण सभा करने, संघ बनाने, देश में किसी भी स्थान पर घूमने फिरने की स्वतंत्रता देश के किसी भी भाग।

(2) समानता का अधिकारः इस अधिकार के द्वारा प्रत्येक नागरिक को कानून के समक्ष समानता तथा भेदभाव, अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत कर दिया गया है।

(3) शोषण के विरूद्ध अधिकार: प्रत्येक नागरिक को शोषण के विरूद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। इस अधिकार के अनुसार मानव के क्रय-विक्रय किसी से बेगार लेने तथा 14 वर्ष से कम आयु वाले बच्चे को कारखानों, खानों या किसी खतरनाक धन्धे में लगाने पर रोक लगा दी गयी है।

(4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारः भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है अतः नागरिक का किसी भी धर्म का अनुसरण करने का अधिकार है प्रत्येक धर्म के अनुयायियों को अपनी धार्मिक संस्थाएँ स्थापित करने तथा उनका प्रबंध करने का अधिकार है।

(5) सांस्कृतिक तथा शिक्षा संबंधी अधिकार: इस अधिकार के अंतर्गत भारत के नागरिकों को अपनी भाषा लिपि तथा संस्कृति को सुरक्षित रखने तथा उसका विकास करने का अधिकार है।

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकारः इस अधिकार के अनुसार प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार दिया गया है। यदि उपरिवर्तित पांच अधिकारों में से किसी अधिकार पर आक्षेप किया जाये या उससे छीना जाए, चाहे वह सरकार की ओर से ही क्यों न हो, तो वह सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय से न्याय की माँग कर सकता है।

अथवा

समाजवादी एवं पंथनिरपेक्षता का आशय समझाइए।

उत्तर: समाजवादी राज्य का आश्यः समाजवादी राज्य से आश्य है कि भारतीय व्यवस्था समाज के समतावादी ढाँचे पर आधारित होगी। प्रत्येक भारतीय की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी। भारतीय परिस्थिति के अनुसार समाजवाद को अपनाया जाएगा।

पंच निरपेक्षता से आश्य: संविधान में पंच निरपेक्ष राज्य सभी पंचों की समान रूप से रक्षा करेगा और स्वयं किसी भी पंच को राज्य के धर्म के रूप में नहीं मानेगा। सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य पंच के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता है।

21. आर्थिक प्रणाली का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताएँ लिखिए। (4)

उत्तर: आर्थिक प्रणाली का आश्य: किसी राष्ट्र में आर्थिक क्रियाओं का संचालन जिस व्यवस्था से संबंधित सभी निर्णय लिए है, जैसे- किन-किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाना है। उत्पादन कैसे किया जाना है उत्पादन किसके लिए किया जाना है आदि। इन्हीं निर्णयों के आधार पर ही अर्थव्यवस्था में उपभोग, उत्पादन, विनिमय एवं वितरण का

निर्धारण होता है। राष्ट्र के निवासियों का जन-जीवन इन्हीं निर्णयों पर निर्भर करता है। इस प्रकार आर्थिक प्रणाली को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है।

'अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उन सभी सामाजिक नियमों, परम्पराओं तथा संस्थाओं का समावेश होता है। जो समाज के सदस्यों में विनिमय साध्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, व्यापार तथा उपभोग के लिए सहयोग पर नियंत्रण रखते है।

आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ: आर्थिक प्रणाली की विशेषताएं निम्न है।

(1) आर्थिक प्रणाली का मुख्य उद्देश्य आर्थिक समस्याओ को हल करना है।

(2) अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्याएँ है- क्या उत्पादन किसके लिए किया जाए उत्पादन कैसे किया जाए?

(3) अर्थव्यवस्था में मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने वाले साधन सीमित मात्रा में होते है।

अथवा

वैश्वीकरण क्या है? इससे उत्पन्न समस्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: वैश्वीकरणः वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने से लगाया जाता है। इसमें प्रत्येक राष्ट्रों के साथ वस्तु, पूँजी एवं वौद्धिक सम्पदा का अप्रतिबन्धित आदान-प्रदान होता हे। अन्य शब्दों में वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके अंतर्गत सभी व्यापारिक क्रियाओं का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो जाता है।

वैश्वीकरण से उत्पन्न समस्याएँ

(1) श्रमिकों के जीवन पर प्रभावः वैश्वीकरण के कारण श्रमिकों के जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण अधिकांश नियोक्ता इन दिनों श्रमिकों को रोजगार देने में लचीलापन पसन्द करते है।

(2) छोटे उत्पादकों पर प्रभावः छोटे उत्पादकों पर वैश्वीकरण का बुरा प्रभाव पड़ा है। विदेशी उत्पादित माल से प्रतियोगिता करने में छोटे उद्योग संक्षम नहीं है। परिणामस्वरूप अनेक छोटे उद्योग, बंद हो गए।

(3) सभी लोगों को लाभ नहीं वैश्वीकरण का लाभ समाज के सभी वर्गों को नहीं मिला है। शिक्षित कुशल और सम्पन्न लोगों ने वैश्वीकरण से मिले गये अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग किया है। इसके विपरीत अनेक लोगों को लाभ में हिस्सा नहीं मिला है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि समाज का कमजोर एवं गरीब वर्ग वैश्वीकरण के लाभ से दूर है।

(4) विकसित राष्ट्रों का आधिपत्यः वैश्वीकरण की प्रक्रिया विश्व व्यापार संगठन के निर्देशानुसार क्रियाविन्वत की जा रही है किन्तु इस संगठन में विकसित राष्ट्रों का वर्चस्व

अधिक है। ये राष्ट्र उन्ही नीतियों एवं कार्यक्रमों का समर्थन करते है जिनसे उन्हें लाभ प्राप्त होता है। श्रमिकों के लिए इन राष्ट्रों ने अपने बाजार नहीं खोले हैं।

(5) क्षेत्रीय असमानताएँ: वैश्वीकरण से क्षेत्रीय विषमताएँ बढ़ी है जिस प्रकार वैश्वीकरण से विकासशील राष्ट्रों की तुलना में विकसित राष्ट्रों को अधिक लाभ मिला है ठीक उसी प्रकार राष्ट्र के अंदर भी विकसित क्षेत्रों को पिछड़े क्षेत्रों की तुलना में अधिक लाभ प्राप्त हुआ है।

22. निम्नलिखित को भारत के मानचित्र में दर्शाइए: (5)

(1) कच्छ का राण (2) चेरापूँजी (3) हजीरा- जगदीशपुर गैस पाइपलाइन

(4) छोटा नागपुर पठार (5) विशाखापट्टनम

उत्तर: मेप

अथवा

निम्नलिखित को संकेत चिन्हों के रूप में दर्शाइएः

(1) फुहार (2) धुन्ध (3) घने बादल (4) शांत (5) प्रबल समीर

उत्तर- संकेत

(1) फूहार

(2) धुन्ध

(3) घने बाल

(4) शांत

(5) प्रबल समीर

23. भारत छोड़ों आन्दोलन कब शुरू हुआ था? भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में इसका महत्व लिखिए। (5)

उत्तर: 1942 के वर्ष में देश के राजनीतिक मंच पर एक ऐसा एतिहासिक आंदोलन आरंभ हुआ, जिसे 'भारत छोड़ों आंदोलन' के नाम से जाना जाता है। यह यथार्थत जन-आन्दोलन था। यह एक ऐसा अन्त प्रेरित और स्वेच्छामूलक सामुहिक आन्दोलन था जिसका जन्म राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए स्व-प्रेरणा के फलस्वरूप हुआ था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी 8 अगस्त 1942 को 'भारत छोड़ो' का प्रसिद्ध प्रस्ताव पास किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन के अवसर पर महात्मा गांधी ने अपने उत्साहपूर्ण तथा जोशीले भाषण में भारतवासियों को 'करो या मरो' का ऐतिहासिक संदेश दिया। इस संदेश का आशय था कि स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए भारतवासियों को अहिंसक ढंग से हर संभव उपाय करना चाहिए।

आंदोलन का प्रारंभ- भारत छोड़ो प्रस्ताव के पारित होने के दूसरे दिन ही ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गाँधी को गिरफ्तार कर लेने के कारण इस आंदोलन ने हिंसात्मक रूप ले लिया। जगह-2 पर उग्र प्रदर्शन हुए। नगरों तथा गाँवों में विशाल जुलुस निकाले गये। स्थान-2 पर रेलवे स्टेशन, डाकखाने, तारघर तथा थाने जला दिए गए।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्वः भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में 'भारत छोड़ो आंदोलन का अपना विशेष महत्व है। यह सत्य है कि जिस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आन्दोलन को प्रारंभ किया गया था। वह तुरन्त प्राप्त न हो सका, परन्तु इसके प्रभाव व्यापक रहे। इस आंदोलन के कारण अमेरिका, चीन आदि विशाल राष्ट्रों को भारत के जन असंतोष का ध्यान हुआ जिससे उन्होंने ब्रिटेन पर दबावडाला कि वह भारत को स्वतंत्र कर दे। साथ ही ब्रिटेन को यह भी ज्ञात हो गया कि वह अधिक दिनों तक भारत को पराधीन नहीं रख सकता।

अथवा

आजाद हिंद फौज की स्थापना क्यों की गई थी एवं भारत की स्वतंत्रता में इसका योगदान लिखिए।

उत्तर: आजाद हिन्द फौज़ जापानियों द्वारा ब्रिटिश सेना के अनेक सैनिक युद्धबंदी बना लिए गए थे। उनमें एक सैनिक अधिकारी कैप्टन मोहन सिंह थे जिन्होंने भारतीय युद्धबन्दियों को संगठित करके फरवरी 1942 ई. में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की इस फौज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारत की मुक्ति के लिए संघर्ष करना था। सुभाषचन्द्र बोस 1943 ई. में जापान पहुँचे तो रासबिहारी बोस ने आजाद हिन्द फौज के संचालक का कार्य उनको सौंपा। सुभाषचन्द बोस ने आजाद हिन्द फौज का नैतृत्व संभालने के पश्चात् घोषणा की 'ईश्वर के नाम पर मैं पवित्र शपथ लेता हूँ कि मैं भारत और उसके 38 करोड़ लोगों को स्वतंत्र कराऊंगा और मैं इस पवित्र युद्ध को अपने जीवन की अंतिम साँस तक जारी रखूँगा। इसके अतिरिक्त सुभाष चन्द्र बोस ने 'दिल्ली चलो' का नारा भी लगाया। 1944 ई. को रंगून (मंगून) से प्रस्थान कर वर्मा (म्यांमार) में अंग्रेजों को पराजित करने के पश्चात भारत में प्रवेश किया। भारत की भूमि पर आजाद हिन्द फौज ने युद्ध किए तथा अनेक बार ब्रिटिश सेनाओं को परास्त किया। वर्मा (म्यांमार) भारत सीमा पार कर प्रथम बार 1944 ई. में आजाद हिन्द फौज ने भारत की स्वतंत्रता भूमि पर तिरंगा झण्डा फहराया इसके पश्चात नागालैण्ड तथा कोहिमा पर भी अधिकार कर लिया परन्तु पराजय का मुख देखना पड़ा।

ब्रिटिश सरकार ने आजाद हिन्द फौज को मुक्त कर दिया जिससे भारतीय जनता में आजाद हिन्द फौज के प्रति एक अपार निष्ठा की भावना बढ़ी तथा भारत की नौसेना तथा वायु सेना को शासन के विरूद्ध विद्रोह करने की प्रेरना मिली।

24. भारत में आपातकाल कब और कितने बार घोषित किया गया? (5)

बैर फूट ही सों भयो सब भारत को नास।
तबहुँ न छँड़त याहि सब बँधे मोह के फाँस।।

उत्तर: आपात काल की घोषणाएँ: राष्ट्रीय आपातकाल भारत में अब तक तीन बार घोषित किया गया है।

(1) चीन द्वारा आक्रमण करने पर 26 अक्टूबर 1962 से 10 जनवरी 1968 तक।

(2) पाकिस्तान द्वारा आक्रमण के कारण 3 दिसम्बर, 1971 से 21 मार्च 1977 तक तथा आन्तरिक उपद्रव की आशंका के आधार पर 25 जून 1975 को भारत में आपातकाल घोषित किया जाता है।

(3) राज्य में संवैधानिक तन्त्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल की घोषणा का प्रयोग अनेक बार हुआ है। वित्तीय संकट के कारण भारत में अभी तक कभी भी आपातकाल नहीं लगाया गया है।

अथवा

1971 भारत-पाक युद्ध के परिणाम लिखिए।

उत्तर: 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के परिणाम-

सन् 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध 14 दिन तक चला। पाकिस्तान के लिए युद्ध बड़ा महंगा सिद्ध हुआ उसने अपने देश के एक विशाल अंग पूर्वी पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा। भारत पाक युद्ध के परिणाम निम्न है।

(1) बांग्लादेश का निर्माण।

(2) पाकिस्तान की जनसंख्या शक्ति और क्षेत्रफल कम हुआ।

(3) सन 1965 के पश्चात सन् 1971 में पुनः हार ने पाकिस्तान का मनोबल तोड़ दिया।

(4) इस युद्ध ने पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वाले राष्ट्र अमेरिका और चीन के हौसलों और महत्वाकांक्षा की पराजय हुई।

(5) भारत को यह समझ में आ गया कि अमेरिका उसका शुभ चिंतक नहीं है अतः भारत को सोवियत संघ के साथ मित्रता बढ़ा।

(6) भारत-पाक युद्ध के समय देश के विभिन्न राजनीतिक दल ने अपने सारे मतभेद भुला दिए।

(7) इन बातों का पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा। जनता ने राष्ट्रपति माहिमा खाँ से त्यागपत्र की मांग की। पराज्य के कारण पाकिस्तान में प्रदर्शन हुए याहिया खाँ को त्यागपत्र देना पड़ा। विभक्त जनमत विभक्त मनोस्थित और विभाजित नेतृत्व वाला पाकिस्तान नियति के चक्र में बुरी तरह फँस गया।

25. सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों का वर्णन कीजिए। (5)

उत्तर: सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ निम्न है।

(1) प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार

(क) राज्यों के मध्य विवाद (ख) मौलिक अधिकारों से संबंधित विवाद

(2) अपीलीय क्षेत्राधिकार

(क) संवैधानिक अपीलें (ख) दीवानी अपीलें (ग) फौजदार अपीलें (घ) विशेष अपीलें

(3) न्यायिक पुनरावलोकन संबंधी क्षेत्राधिकार

(4) अभिलेख न्यायालय

(5) अन्य कार्य

अथवा

संसद में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

संसद में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया निम्नानुसार है।

(1) प्रथम वाचन या विधेयक का प्रस्तुतिकरण

(2) द्वितीय वाचन

(3) समिति अवस्था

(4) प्रतिवेदन स्तर

(5) तृतीय वाचन

(6) विधेयक का दूसरे सदन में जाना

(7) राष्ट्रपति की स्वीकृति

26. भारत में प्रजातंत्र की सफलता में बाधक तत्वों को समझाइए। (कोई-5) (5)

उत्तर: भारत में प्रजातंत्र की सफलता में वाधक तत्व निम्न है।

(1) गरीबी और बेरोजगारी की बढ़ती संख्या

(2) जातीयता क्षेत्रीयता और भाषायी समस्याएँ

(3) निरक्षरता

(4) सामाजिक कुरीतियाँ

(5) संचार के साधनों की भूमिका

अथवा

जनसंख्या विस्फोट क्या है? समाज पर पढ़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को लिखिए।

जनसंख्या विस्फोट: जन संख्यां वृद्धि दर इतनी तेज हो जाती है कि देश में उपलब्ध संसाधन आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते तब इस स्थिति को 'जनसंख्या स्फिोट' कहा जाता है। जनसंख्या की तीव्र गति से वृद्धि हमारे आर्थिक विकास के सारे प्रयासों को विफल कर देती है।

हर देश में जब विकास होगा तो जन्म दर की तुलना में मृत्यु दर तीव्र गति से घटेगी और उसका परिणाम जनसंख्या में वृद्धि होगा। आज पैदा होने वाले बच्चे जिन्हें अकाल शिशु-मृत्यु से बचा लिया जाएगा। 20-22 वर्ष बाद स्वयं बच्चे पैदा करेंगे।

जनसंख्या विस्फोट के प्रतिकुल प्रभाव:

(1) हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्पन्न प्रमुख समस्याएँ निरन्तर बढ़ती जा रही है। जिससे भूमि पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इससे भू-जोतों का आर्थिक विभाजन हुआ है। तथा कृषि उत्पादकता में कमी आयी है।

(2) जनसंख्या में तेजी से वृद्धि होने पर प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि धीमी हो जाती है।

(3) जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि होने पर देश में बच्चों तथा वृद्ध व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है। जो कार्यशील जनसंख्या पर आश्रित है। आश्रितों की संख्या बढ़ने पर देश में भार बढ़ रहा है।

(4) जन संख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी बढ़ी है।

(5) जन संख्या वृद्धि के कारण सरकार को आवाश शिक्षा जन कल्याण कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा पर अधिक व्यय करना पड़ता है।

00000000000